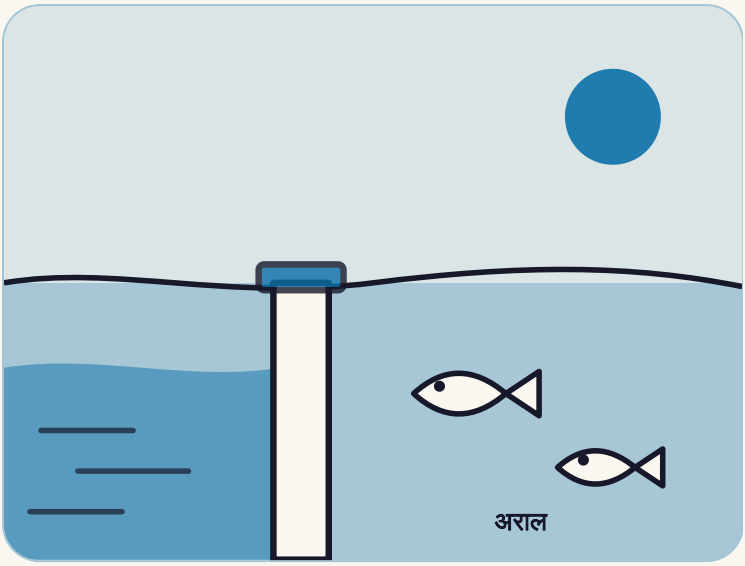

कज़ाख़िस्तान

वह सागर जो लौट आया

कज़ाख़िस्तान ने मरते हुए सागर का आधा हिस्सा बचाने के लिए बाँध बनाया। मछलियाँ लौटीं, और मछुआरा परिवार भी।

कहाँ अरालस्क

कौन अरालस्क के मछुआरा परिवार, और वे इंजीनियर जिन्होंने उत्तरी अराल सागर को बचाने के लिए कोकराल बाँध बनाया

कब 1987 से 2025

4 मिनट में पढ़ें

पहला अध्याय

कहानी

मध्य एशिया का अराल सागर कभी दुनिया की चौथी सबसे बड़ी झील था। 1950 के दशक से सोवियत योजनाकारों ने उसकी दो नदियों का पानी कपास के खेतों में भेजना शुरू किया। सागर सिकुड़ गया और खारा हो गया। मछलियाँ मर गईं। 1987 तक व्यावसायिक मछली पकड़ना बंद हो चुका था।

तट बंदरगाह-शहर अरालस्क से बहुत दूर चला गया। बहुत से लोग चले गए। जो रुके, उन्होंने कठोर मौसम और ख़राब सेहत झेली।

> लोगों ने सागर को बर्बाद किया और फिर प्रकृति ने लोगों से बदला लिया।
>
> मादी झासेकेनोव, अरालस्क क्षेत्रीय संग्रहालय के निदेशक, National Geographic के हवाले से

सागर के आर-पार एक दीवार

पूरे सागर को बचाने के लिए पानी काफ़ी नहीं था। कज़ाख़िस्तान ने उत्तरी हिस्से को बचाने का फ़ैसला किया, जिसे उत्तरी अराल कहते हैं। 1992 और 1998 में, सागर के एक संकरे हिस्से पर स्थानीय रेत का बना एक बाँध दो बार बह गया।

2005 में कज़ाख़िस्तान ने कोकराल नाम का एक मज़बूत बाँध पूरा किया, जो लगभग 12 किलोमीटर लंबा है। विश्व बैंक ने लगभग 86 मिलियन डॉलर की उस परियोजना का ज़्यादातर पैसा दिया, जिसमें पुराने बाँधों की मरम्मत भी हुई। सिर्फ़ सात महीनों में पानी 11 फ़ुट (लगभग 3 मीटर) ऊपर चढ़ गया। विशेषज्ञों ने इसमें तीन साल लगने की उम्मीद की थी।

1,360

2006 में पकड़ी गई मछली, टन में

7,106

2016 में पकड़ी गई मछली, टन में

34

2018 में तास्तुबेक के घर, 1990 के दशक के मध्य के 9 से ऊपर

मछलियाँ लौट आईं

पानी कम खारा हो गया। नमक 30 ग्राम प्रति लीटर से घटकर 8 रह गया। सीर दरिया नदी से लगभग 20 तरह की मीठे पानी की मछलियाँ वापस आ गईं। अरालस्क में मछली पकड़ना लौट आया।

तास्तुबेक गाँव के मछुआरे किदिरबाई इब्राहिमोव को याद है कि बचपन में वहाँ 90 घर थे। 1990 के दशक के मध्य तक सिर्फ़ 9 बचे थे। 2018 में उन्होंने 34 गिने। उन्होंने *National Geographic* से कहा कि वे अपने बेटे के लिए नया घर बनाएँगे, जो मछली पकड़ना जारी रखेगा।

एक नाज़ुक वापसी

वापसी अभी सुरक्षित नहीं है। *Global Voices* के मुताबिक़ 2025 में सालाना पकड़ 7.8 से घटकर 3.9 हज़ार टन रह गई। *National Geographic* ने प्रजनन के मौसम में अवैध मछली पकड़ने की ख़बर दी। और जिस बाँध ने उत्तर को बचाया, उसने बड़े दक्षिणी सागर को उस पानी से वंचित कर दिया, ऐसा *Wikipedia* कहता है।

कब क्या हुआ

- **1987** सागर में व्यावसायिक मछली पकड़ना बंद हो जाता है।
- **1992** सागर के आर-पार रेत का एक बाँध बह जाता है। 1998 में यह फिर होता है।
- **2005** कोकराल बाँध पूरा होता है।
- **2016** पकड़ 7,106 टन तक पहुँचती है।
- **2025** Global Voices के मुताबिक़ पकड़ घटकर 3.9 हज़ार टन रह जाती है।

दूसरा अध्याय

यह कहानी ख़ास क्यों है

यह पूरे सागर को नहीं बचा सका। इसने वह हिस्सा बचाया जो बचाया जा सकता था।

पुराना अराल सागर नहीं लौटेगा। पर उसका एक जीवित हिस्सा लौटा है, और परिवार उस पर निर्भर हैं।

हमारी राय

जब आप सब कुछ नहीं बचा सकते, तब एक हिस्से को अच्छी तरह बचाना भी कई ज़िंदगियाँ बदल सकता है।

तीसरा अध्याय

हम क्या सीख सकते हैं

1 जो हिस्सा बचा सकते हैं, उसे बचाइए

पूरे सागर के लिए पानी नहीं था, इसलिए कज़ाख़िस्तान ने उत्तर को चुना।

यह आज़माएँ: जब समस्या बहुत बड़ी हो, तो वह एक हिस्सा चुनिए जिसे आप सुधार सकते हैं, और वहीं से शुरू कीजिए।

2 पहली नाकाम कोशिश से सीखिए

1992 और 1998 में रेत के बाँध बह गए। 2005 का बाँध ज़्यादा मज़बूत बना और ठीक से पैसा लगाकर बनाया गया।

यह आज़माएँ: अगर कोई योजना नाकाम हो, तो पूछिए कि क्या कम था, जैसे पैसा, मज़बूती या समय। पहले वही ठीक कीजिए।

3 वापसी के छोटे संकेतों पर नज़र रखिए

तास्तुबेक में घर 9 से बढ़कर 34 हो गए।

यह आज़माएँ: प्रगति दिखाने वाली एक छोटी संख्या चुनिए। उसे हर साल लिखिए।

4 जीत की रक्षा करते रहिए

2025 में पकड़ घटी, और अवैध मछली पकड़ने की ख़बर आई।

यह आज़माएँ: सफलता के बाद उसे बचाने का एक सरल नियम बनाइए। उसे हर साल जाँचिए।

साथ ले जाने वाली एक बात

आप हमेशा सब कुछ नहीं बचा सकते, पर कुछ तो बचा सकते हैं।

स्रोत (अंग्रेज़ी में)

National Geographic
Once Written Off for Dead, the Aral Sea Is Now Full of Life (2018)

Global Voices
How Kazakhstan resurrected the North Aral Sea (2026)

Wikipedia
Dike Kokaral

तथ्य-जाँच नोट: स्रोत मुख्य कहानी पर सहमत हैं और आँकड़ों में अलग हैं। बाँध की लंबाई: Wikipedia 12 किमी कहता है, Global Voices 13 किमी, National Geographic आठ मील; कहानी लगभग 12 किलोमीटर कहती है। पूरा होना: 2005 की गर्मियाँ (National Geographic), अगस्त 2005 (Wikipedia)। विश्व बैंक ने लगभग 86 मिलियन डॉलर की परियोजना का ज़्यादातर पैसा दिया, और पानी सात महीनों में 11 फ़ुट चढ़ा, जबकि उम्मीद तीन साल की थी (National Geographic)। सागर का उत्तरी और दक्षिणी हिस्से में बँटना, और पूरे सागर को बचाने के लिए पानी का काफ़ी न होना, Global Voices से है। रेत के दो पुराने बाँध, जो 1992 और 1998 में बह गए, Wikipedia से हैं। मछली पकड़ना: 1987 तक व्यावसायिक पकड़ शून्य हो गई, नमक 30 से घटकर 8 ग्राम प्रति लीटर हुआ, पकड़ 2006 के 1,360 टन से 2016 में 7,106 टन हुई, और तास्तुबेक गाँव में पहले 90 घर थे, फिर 1990 के दशक के मध्य में 9, फिर 2018 में 34 (सब National Geographic से; मीठे पानी की "लगभग दो दर्जन प्रजातियाँ" लौटीं, जिसे कहानी "लगभग 20 तरह" कर देती है)। Global Voices 1960 के दशक से पहले की सर्वोच्च पकड़ 80 हज़ार टन बताता है; National Geographic 1957 में 48,000 टन कहता है; कहानी दोनों में से कोई नहीं लेती। Global Voices कहता है कि पकड़ सबसे अच्छे समय में

8,000 टन तक पहुँची और 2025 में 7.8 से घटकर 3.9 हज़ार टन रह गई; दूसरे स्रोत अलग तरह से गिन सकते हैं, और हम कोई प्राथमिक मत्स्य स्रोत नहीं खोल सके। अरालस्क से तट कितना दूर गया, यह स्रोतों में अलग है (Wikipedia में लगभग 100 किमी, Global Voices में 40 किमी), इसलिए कहानी कोई संख्या नहीं देती। 2025 के पानी की मात्रा के आँकड़े और बाँध का नियोजित दूसरा चरण Global Voices में हैं और यहाँ इस्तेमाल नहीं हुए। उद्धरण मादी झासेकेनोव का है, जैसा National Geographic ने छापा। किदिरबाई इब्राहिमोव के शब्द और संख्याएँ National Geographic से हैं। बाँध ने दक्षिणी अराल की क़िस्मत “तय कर दी” — यह Wikipedia के शब्द हैं। विश्व बैंक का अपना पेज नहीं खुल सका। पहला पिन अरालस्क और दूसरा कोकराल बाँध दिखाता है। “हमारी राय” वाली पंक्तियाँ हमारी अपनी व्याख्या हैं। बाकी सब ऊपर दिए स्रोतों से है।